

सुहाग मंदिर पुं. (तद्.+तत्.) 1. सुहाग-घर, वह कमरा या भवन जिसमें वर-वधू सोते हैं 2. प्राचीन काल में राजभवन का वह भाग जहाँ राजा अपनी पत्नियों के साथ विहार करता था।

सुहागा पुं. (तद्.) 1. एक प्राचीन द्रव्य जो सोना गलाने में काम आता है। यह गंधक वाले पहाड़ों से प्राप्त होता है 2. खेतों की मिट्टी बराबर करने वाला पाटा, हँगा।

सुहागिन स्त्री. (तद्.+तत्.) सौभाग्यवती या सधवा स्त्री।

सुहाचन/सुहाचण पुं. (देश.) सुहाना, सुहावना, मन भावन।

सुहाड़ पुं. (तद्.) मजबूत हड्डियाँ।

सुहाता पुं. (देश.) सह्य, जिसे सहन किया जा सके, जो अच्छा लगे वि. सुहावना।

सुहाथ पुं. (तद्.) 1. स्व-हाथ, अपना हाथ 2. अच्छा हाथ, निपुण हाथ, कार्य कुशल हाथ।

सुहाना पुं. (तद्.) 1. सुंदर प्रतीत होना, शोभित होना 2. मनभावन, मन को अच्छा लगने वाला 3. पसंद आना, अच्छा लगना, सुखद।

सुहार पुं. (देश.) सुहाल नामक एक पकवान, यह मैदे से बनने वाला एक नमकीन 'मठरी' नुमा पकवान है।

सुहारी स्त्री. (देश.) पूरी/पूड़ी नामक व्यंजन, सुहाली।

सुहाव वि. (तद्.) 1. सुंदर, सुहावना 2. सुखद 3. सुंदर हाव भाव, आकर्षक हावभाव।

सुहावन वि. (तद्.) सुहावना, सुंदर, आकर्षक, मन भावन।

सुहावननि/सुहावनी वि. (तद्.) सुहावना, सुंदर और सुखद, मनोहर।

सुहावनापन पुं. (तद्.) सुंदर और सुखद जैसे-सुहावना मौसम, सुखद अनुभूति कराने की स्थिति।

सुहास पुं. (तत्.) मनोहर हँसी, सुंदर हास वि. सुंदर हँसी वाला, जिसका हँसना सुंदर हो।

सुहासिनी वि. (तत्.) सुंदर हँसी वाली, मधुर हासिनी, मधु-स्मिता पुं. सुहासी, सुंदर हँसी वाला।

सुहिणा/स्वीणा पुं. (राज.) सपना, स्वप्न।

सुहित वि. (तत्.) 1. हितैषी, बहुत अधिक हित या उपकार करने वाला 2. संपादित कार्य, जो कार्य पूरा हो गया हो 3. तृप्त, संतुष्ट 4. उपयुक्त, ठीक।

सुहिता स्त्री. (तत्.) 1. अग्नि की सात जिह्वाओं में से एक का नाम 2. रुद्र जटा।

सुही वि. (देश.) लाल रंग की जैसे- सुही साड़ी।

सुहृद/सुहृद वि. (तत्.) 1. सुहृदय, अच्छे हृदय वाला, भला मानुस 2. शिव का एक नाम 3. मित्र, दोस्त।

सुहृदय वि. (तत्.) 1. अच्छे हृदय वाला, सबसे प्रेमभाव रखने वाला 2. सबसे मित्र भाव रखने वाला 3. परोपकारी।

सुहृदयता स्त्री. (तत्.) 1. सहृदयता, सदाशयता 2. मित्रता या बंधुत्व का भाव।

सुहृदवर पुं. (तत्.) श्रेष्ठ सुहृद, सुहृद जनों में श्रेष्ठ।

सुहेत पुं. (तत्.) 1. उत्तम हेतु या प्रयोजन, अच्छा लक्ष्य 2. उत्तम साधन।

सुहेल पुं. (अर.) एक कल्पित तारा, जिसके बारे में यह माना जाता है कि इसका उदय होना केवल यमन देश में दिखाई देता है इसके उदय होने पर चमड़े में सुगंध आ जाती है तथा सभी जीव मर जाते हैं। परंतु हिंदी कवियों ने इसका निकलना शुभ माना है।

सुहेला स्त्री. (तद्.) आमोद प्रमोद वाली सुंदर क्रीड़ा पुं. 1. विवाह के अवसर पर स्त्रियों द्वारा गाया जाने वाला गीत 2. प्रशंसा 3. प्रिय व्यक्ति 4.